

हरियाणा सरकार

वित्त विभाग

अधिसूचना

दिनांक 26 अगस्त, 2004

संख्या 1/4(4)97/एस० ओ० -I/पेंशन.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, पंजाब सिविल सेवाएं नियम, जिल्द -II, हरियाणा राज्यार्थ को आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम पंजाब सिविल सेवाएं, जिल्द -II, (हरियाणा तृतीय संशोधन) नियम, 2004, कहे जा सकते हैं।

(2) ये तुरन्त प्रभाव से लागू होंगे।

2. पंजाब सिविल सेवाएं नियम, जिल्द -II में, परिशिष्ट-I में, पारिवारिक पेंशन स्कीम, 1964 में, नियम 4 ए के बाद निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4-बी यदि सरकारी कर्मचारी के पुत्र या पुत्री दिमाग के किसी विकार रोग या निःशक्तता से ग्रस्त हैं या शारीरिक रूप से पेंगु या विकलांग हैं कि वह पच्चीस वर्ष की आयु के बाद भी जीविका कमाने के लिए असमर्थ है तो ऐसे पुत्र या पुत्री को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आजीवन पारिवारिक पेंशन भुगतान योग्य होगी, अर्थात् :—

(i) (क) ऐसे व्यक्ति, जिनका शरीर कार्य करने में क्षीण है, की जांच जिले के सिविल सर्जन की अध्यक्षता में गठित बोर्ड द्वारा प्रत्येक बुधवार को की जाएगी। बोर्ड में आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ शामिल किया जाएगा। अपील चिकित्सा बोर्ड स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक होगा। चण्डीगढ़/पंचकूला में कार्य कर रहे हरियाणा के सरकारी कर्मचारियों तथा चण्डीगढ़/पंचकूला के निवासी की जांच सामान्य अस्पताल, सेक्टर 16, चण्डीगढ़ तथा चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, सेक्टर 32, चण्डीगढ़ के निःशक्तता चिकित्सा बोर्डों द्वारा भी की जा सकती है, अपील चिकित्सा बोर्ड स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ होगा ;

(ख) अभ्यर्थियों की जांच के बाद बोर्ड द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण-पत्र, जिनमें निःशक्तता की प्रतिशतता दी गई है, तीन वर्ष के लिए वैध होंगे।

(ग) किसी प्रकार की चालीस प्रतिशत से अधिक क्षति वाले व्यक्ति लाभार्थी के लिए हकदार होंगे।

निःशक्तता मोटे तौर पर चार प्रकार की हैं :

1. दृष्टि सम्बन्धी ;
2. गति विषयक ;
3. बोलने और सुनने सम्बन्धी ;
4. मानसिक विकार रोग ;

(ii) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री सरकारी कर्मचारी के दो या दो से अधिक बच्चों में से एक है तो पारिवारिक पेंशन प्रारम्भ में शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चों में से पहले बड़े पुत्र/पुत्री को, जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु का नहीं हो जाता/जाती या वह पारिवारिक पेंशन के लिए अयोग्य नहीं हो जाता/जाती, जो भी पहले हो भुगतानयोग्य होगी। उसके बाद पारिवारिक पेंशन अगले शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे को ऊपर वर्णित अवधि तक भुगतान की जाएगी। जब शारीरिक रूप से स्वस्थ सभी बच्चे पारिवारिक पेंशन के लिए अयोग्य हो जाते हैं तब पारिवारिक पेंशन पुनः उस पुत्र या पुत्री के पक्ष में

शुरू की जाएगी जो दिमाग के विकार रोग या निःशक्तता से ग्रस्त है या जो शारीरिक रूप से पंगु या विकलांग है तथा उसको आजीवन भुगतानयोग्य होगी ;

- (iii) यदि ऐसे बच्चे, जो दिमाग के विकार रोग या निःशक्तता से ग्रस्त हैं या शारीरिक रूप से पंगु या विकलांग हैं, एक से अधिक हैं तो पारिवारिक पेंशन उनके जन्म के क्रम में भुगतान की जाएगी तथा उन में से छोटा पारिवारिक पेंशन केवल उसके/उसकी ठीक अगले बड़े/बड़ी के पात्र न रहने के बाद प्राप्त करेगा ;

परन्तु जहां पारिवारिक पेंशन ऐसे जुड़वां बच्चों को भुगतानयोग्य है वहां यह बराबर हिस्सों में भुगतान की जाएगी। परन्तु जब ऐसे एक बच्चे के पात्र न रहने पर उसका हिस्सा दूसरे बच्चे को प्राप्त होगा तथा जब उन दोनों के पात्र न रहने पर पारिवारिक पेंशन अगले पात्र एकल बच्चे/जुड़वां बच्चों को भुगतानयोग्य होगी ;

- (iv) पारिवारिक पेंशन ऐसे पुत्र या पुत्री को अभिभावक के माध्यम से भुगतान की जाएगी मानो वह नाबालिग हो सिवाय शारीरिक रूप से पंगु पुत्र/पुत्री के मामले में जिसने व्यस्क की आयु प्राप्त कर ली हो;
- (v) किसी ऐसे पुत्र या पुत्री को पारिवारिक पेंशन अनुज्ञात करने से पूर्व, नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्टि करेगा कि अक्षमता ऐसे स्वरूप की है कि उसको अपनी रोजी कमाने से रोकती है तथा बच्चे की वास्तविक मानसिक या शारीरिक स्थिति जहां तक संभव हो वह ऊपर (i) (क) में यथावर्णित चिकित्सा बोर्ड से प्राप्त किये गए प्रमाण-पत्र द्वारा प्रामाणित की जाएगी ;
- (vi) ऐसे पुत्र/पुत्री के अभिभावक के रूप में पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा व्यक्ति या अभिभावक के माध्यम से पारिवारिक पेंशन प्राप्त नहीं कर रहा ऐसा पुत्र/पुत्री चिकित्सा बोर्ड से प्रत्येक तीन वर्ष के बाद प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह दिमाग के विकार रोग या निःशक्तता से लगातार ग्रस्त है या शारीरिक रूप से लगातार पंगु या निःशक्तता है;
- (vii) मानसिक रूप से मन्द बुद्धि पुत्र या पुत्री की दशा में, पारिवारिक पेंशन सरकारी कर्मचारी या पेंशनर, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा नामजद व्यक्ति को भुगतानयोग्य होगी तथा यदि ऐसी कोई नामजदगी ऐसे सरकारी कर्मचारी या पेंशनर द्वारा अपने जीवन-काल के दौरान कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत नहीं की गई है तो बाद में ऐसे सरकारी कर्मचारी या पारिवारिक पेंशनर, जैसी भी स्थिति हो, के पति/पत्नी द्वारा नामजद व्यक्ति को भुगतानयोग्य होगी ;
- (viii) पुत्री ऐसी तिथि से जिसको उसकी शादी हो जाती है इस उप-नियम के अधीन पारिवारिक पेंशन के लिए अयोग्य हो जाएगी ;
- (ix) ऐसे पुत्र या पुत्री को भुगतानयोग्य पारिवारिक पेंशन बन्द कर दी जाएगी यदि वह अपनी रोजी कमाना शुरू कर देता/देती है ;
- (x) ऐसे मामलों में अभिभावक या पुत्र या पुत्री, जिसके द्वारा पेंशन प्राप्त की जा रही है, का कर्तव्य होगा कि वह खजाना अधिकारी या बैंक, जैसी भी स्थिति हो, को प्रत्येक महीने प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे कि —
- (क) उसने अपनी रोजी कमाना शुरू नहीं कर दिया है या इस राज्य/किसी अन्य राज्य/केन्द्रीय सरकार या राज्य/स्वायत्त निकायों/उप क्रमों के किन्हीं अन्य नियमों के अधीन कोई अन्य पेंशन प्राप्त नहीं की है ;
- (ख) पुत्री की दशा में कि उसकी अभी शादी नहीं हुई है ;
- (xi) यह लाभ केवल पात्र निःशक्तता बच्चों, चाहे वे सेवानिवृत्ति से पूर्व या बाद में पैदा हुये हों, को अनुज्ञेय होगा बशर्ते कि ऐसा पुत्र या पुत्री सरकारी कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति से पूर्व हुई शादी से होना/होनी चाहिये । ” ।

भास्कर चटर्जी,

वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

HARYANA GOVERNMENT**FINANCE DEPARTMENT****Notification**

The 26th August, 2004

No. 1/4(4)-97/SO-I/Pension.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Civil Services Rules, Volume II, as application to the State of Haryana, namely:—

1. (1) These rules may be called the Punjab Civil Services, Volume-II (Haryana Third Amendment) Rules, 2004.
- (2) They shall come into force with immediate effect.
2. In the Punjab Civil Services Rules, Volume-II, in Appendix- I, in Family Pension Scheme, 1964, after para 4-A, the following para shall be inserted, namely:—

“4-B If the son or daughter of a Government employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty five years the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely:—

- (i) (a) persons with impairment in functions of the body should be examined by the Board under the Chairmanship of the Civil Surgeon of the District on every Wednesday. Board should include the specialist according to the requirement. Appellant Medical Board is at Post Graduate Institute of Medical Science, Rohtak. Haryana Government employees working in Chandigarh/ Panchkula and resident of Chandigarh/Panchkula can also be examined by the Disability Medical Boards of General Hospital, Sector-16, Chandigarh and Medical College and General Hospital, Sector 32, with the appellant Medical Board at Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.
- (b) medical certificates in which percentage of disability is given issued by the Board after examination of the candidates will be valid for three years.
- (c) impairment of above forty percent of any kind will be entitled for benefits.

Disability broadly are of four types:—

1. Visual,
2. Locomotor,
3. Speech and hearing,
4. Mental disorders;

- (ii) if such son or daughter is one among two or more children of the Government employee, the family pension shall be initially payable to the one elder/eldest among physically fit children until he/she attains the age of twenty five years or he/she becomes ineligible for family pension whichever is earlier. Thereafter, family pension will be paid to the next physically fit children up to the above-mentioned period. When all physically fit children become ineligible for family pension the same shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him/ her for life;

- (iii) if there are more than one such children suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the order of their birth and the younger of them will get the family pension only after the elder next above him/her ceases to be eligible;

Provided that where the family pension is payable to such twin children it shall be paid in equal shares; provided that when one such child ceases to be eligible his/her share shall revert to the other child and when both of them cease to be eligible the family pension shall be payable to the next eligible single child/twin children;

- (iv) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of the physically crippled son/daughter who has attained the age of majority;
- (v) before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the appointing authority shall satisfy that the handicap is of such a nature so as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical Board as mentioned in (i) (a) above setting out, as far as possible, the exact mental or physical condition of the child;
- (vi) the person receiving the family pension as guardian of such son/daughter or such son/daughter not receiving the family pension through a guardian shall produce every three years a certificate from medical Board that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continue to be physically crippled or disabled;
- (vii) in the case of mentally retarded son or daughter, the family pension shall be payable to a person nominated by the Government employee or the pensioner, as the case may be, and in case no such nomination has been furnished to the Head of Office by such Government employee or pensioner during his lifetime, to the person nominated by the spouse of such Government employee or family pensioner, as the case may be, later on;
- (viii) a daughter shall become ineligible for family pension under this sub-rule from the date she gets married;
- (ix) the family pension payable to such a son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his/her livelihood;
- (x) in such cases it shall be the duty of the guardian or son or daughter by whom pension is being received to furnish a certificate to the Treasury Officer or bank, as the case may be, every month that —
- (a) he or she has not started earning his/her livelihood or is not in receipt of any other pension under any other rules of this State/any other State/ Central Government or State/ autonomous bodies/undertakings;
- (b) in case of daughter, that she has not yet married;
- (xi) this benefit will be admissible only to the eligible disabled children whether born before or after retirement provided such son or daughter should be from a marriage, which took place before retirement of the Government employee."

BHASKAR CHATTERJEE,

Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Finance Department.